

# Expressions of Gratitude

Dear Principal ma'am

Heartiest Congratulations to all the students, teachers and the whole team at VDJS for the excellent results of class 12th.

The School is definitely achieving greater heights under your leadership. Even Sadhika's Grandparents gave a call to us after reading the news in the newspaper, expressing their happiness.

Best wishes for future endeavours.

Bhawna Panghal  
M/o Vasundhara Panghal, Batch of 2018

\*\*\*\*\*

" आज नविशा छापड़िया और विद्यादेवी जिंदल स्कूल एक दूसरे की पहचान बने "

आपको और पूरे विद्यालय परिवार को बधाई और धन्यवाद !

Vivek Chhaparia  
(A proud father)

\*\*\*\*\*

Dear Ma'am

Greetings!

At the very outset I would like to take this opportunity to congratulate you on the impressive and mind boggling CBSE Class XII results 2019. It gives you and everyone associated with VDJS a well-deserved reason to rejoice, a reason to feel proud and a reason to feel lucky to have been associated with VDJS in some way or the other.

Srishti Mundra, my daughter, has had the privilege to study at VDJS for her Class XI and XII and today when I see her results I feel elated and opportune to have been able to send my daughter to your esteemed institution which has groomed her and has been largely responsible for what she is today. Thank you to everyone who has contributed in every possible way for taking care of my daughter and imbibing in her the true spirits and essence of VDJS. She is a grownup girl now ready to take on the world and I express my gratitude with folded hands. I am forever indebted to your school for nurturing my daughter perfectly in her growing days.

Thank you once again and congratulations to all the staff, management members and students of VDJS on the stupendous results.

God Bless!  
Thanks & Regards

Prakash Mundra  
F/o Srishti Mundra, Batch of 2019

\*\*\*\*\*

**Dear VDJS family**

I certainly can't express in words how happy I am for my daughter Rubani. It's a moment of great pride and honour for all of us and this has been possible only because of VDJS and the support of her loving teachers.

I still remember my little bubbly Banu who I had sent away from me at such a tender age.

She managed herself so well that at end of her first year Rubani got three big awards and it became difficult for me to hold them. That is when I realised that I had made the best decision for my daughter.

During her exams, Rubani broke down on the phone many times but everytime she rose up and started working again. She could face the pressure so gracefully because of the girl that she has been moulded into.

It was my birthday on May 3 and this was the best birthday gift that my daughter could have possibly given me.

I feel short of words to express how grateful I am to Ma'am Principal, teachers, dorm parents and *didis* who took care of my child like a mother.

Thank you all once again!

**Gagan Cheema**

M/o Rubani Cheema, Batch of 2019

---

दिनांक-04.02.2019

आदरणीय,

प्रधानाचार्या महोदया

मैं विवेक छापड़िया आपके प्रतिष्ठित संस्थान में अध्ययनरत नविशा छापड़िया का पिता हूँ। एक पिता जिस प्रकार से अपनी बेटी के लिए उपयुक्त वर एवं ससुराल का चयन करता है, ठीक उसी प्रकार मैंने भी अपनी बेटी की शिक्षा के लिए उपयुक्त मार्गदर्शक एवं विद्यालय का चयन किया। कक्षा नवीं में प्रवेश के लिए मैंने अन्य शिक्षण संस्थानों में भी प्रवेश परीक्षा दिलवाई थी। आपके विद्यालय के प्रांगण में कदम रखते ही मन-मस्तिष्क में एक अजीब-सी प्रसन्नता, खुशी और सुखानुभूति का अहसास हुआ। विद्यालय के प्रवेश द्वार पर सुरक्षाकर्मी द्वारा औपचारिकताएँ पूर्ण करवाई गईं। सुबह की गनगुनी धूप में नाश्ता करने के बाद हमें विद्यालय परिसर का भ्रमण करवाया गया। भ्रमण करने के बाद मैंने महसूस किया कि यहाँ का हर छोटा-बड़ा कार्यकर्ता बिना किसी शर्त के 'कर्म ही पूजा है' के सिद्धांत पर चलकर अपने कार्य को तन्मयता और खुशी के साथ अंजाम दे रहा है।

हृदय ने पता नहीं क्यों ईश्वर से बार-बार यह प्रार्थना की, कि बेटी का एडमिशन इसी स्कूल में हो जाता तो बेहतर है। प्रवेश परीक्षा दिलवाने एवं प्रधानाचार्या महोदया के साथ मुलाकात के बाद मुझे यह कहा गया कि आपको सूचित कर दिया जाएगा। उसी दिन हम ट्रेन से अपने गंतव्य की ओर चल दिए। रास्ते में हमें फोन आया कि आपकी बेटी ने प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। घर पहुँचकर माँ और भाई साहब को अन्य विद्यालयों और इस विद्यालय के अपने अनुभव को बताने लगा, तो भाई साहब ने पूछा क्या खास बात है इस स्कूल में? मैंने कहा, " भईया, अगर इस स्कूल में प्रज्ञा (नविशा) का एडमिशन हो जाता है तो यह तो तय है कि जब प्रज्ञा (नविशा) वहाँ से पढ़कर निकलेगी तो प्रज्ञा (नविशा) ही रहेगी और मिलेगी।

प्रवेश की समस्त प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद हम नविशा की दादी माँ के साथ उसे होस्टल छोड़ने गए।

समय रुकता कहाँ है, आज चार वर्ष कैसे बीत गए कुछ पता ही नहीं चला। इन चार वर्षों में विद्यालय परिवार ने उसकी जो परवरिश की उसे शब्दों में बयान करना मुश्किल है। आपके प्यार और लाड़ में भाव का फर्क है। बेटी को होस्टल में बोस्की मैडम, प्रीति मैडम, नेहा मैडम और अकुली मैडम का एक अभिभावक के रूप में अनुशासन के दायरे में स्नेह प्राप्त हुआ। अर्चना मैडम ने हमेशा बड़े ध्यान से हमारी एक-एक बातों को सुना और हर समस्या को हल कर तुरंत कार्यवाही की। मेरे एक मित्र ने मुझसे कहा था कि "बच्चों को नियमित खुराख मिलती रहनी चाहिए।" इसका प्रतिकूल प्रभाव मैं अपनी बेटी में देख रहा हूँ।

समय और परिवेश के अनुसार आपने अपने कुशल हाथों से इस मिट्टी की मूरत को सही आकार, विचार, संस्कार और आहार दिए हैं जिसके लिए मैं और मेरा पूरा परिवार आपके पूरे संस्थान का शुक्रगुजार है। मैं आपके संस्थान में अध्ययनरत अन्य बेटियों के सुखद भविष्य की कामना करता हूँ। आपके संस्थान के हर व्यक्ति, सुरक्षाकर्मी, सफाईकर्मी, लेखा विभाग, रिसेप्शन, भोजनशाला, चिकित्सा विभाग के कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आप सभी हमेशा मेरी स्मृति में बने रहेंगे। इन्हीं भावनाओं के साथ मैं आपके संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

एक पिता

विवेक छापड़िया